सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 116 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 30 मई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

अगर धन दूसरों की भलाई करने में मदद करे, तो इसका कुछ मूल्य है, अन्यथा, ये सिर्फ बुराई का एक ढेर है, और इससे जितना जल्दी छुटकारा मिल जाये उतना बेहतर है। -स्वामी विवेकानंद

चौथी बार फाइनल में पहुंची... 7 | चंद्रशेखर ने भरी हुंकार, योगी को... 3 | अब प्रदेश में अधिकारियों में भिड़ंत... 2

बीजेपी का बी प्लान, बिन नीतीश एकला चलो, आगे बढ़ो!

बिहार में बहार के लिए करोड़ों की योजनाएं

» पीएम मोदी के बिहार दौरे पर विपक्ष ने उठाए सवाल

» दौरे का अर्धशतक पूरा, पीएम बनने के बाद 50वां दौरा

» किसी भी कीमत पर बीजेपी की बिहार में सरकार बनाना चाहते हैं पीएम मोदी

» शक्ति सिंह बोले- पीएम मोदी का रोड शो सिर्फ प्रचार के लिए

48,520 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का बिहार में पीएम मोदी ने उद्घाटन/ शिलान्यास और लोकार्पण किया।

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इस वर्ष के अंत में होने जा रहे बिहार विधानचुनाव से पहले पीएम मोदी का बिहार यात्रा का यह 50वां दौरा पूरा हुआ। दो दिन के लिए बिहार पहुंचे पीएम मोदी ने बड़ी ही चतुराई के साथ सीएम नीतीश कुमार को बैक सीट पर ढकेल दिया और सीएम चेहरे के तौर पर बीजेपी के चेहरे का आगे कर दिया। पीएम मोदी के आज के रोड शो में भले ही सनरूफ में खड़े होकर सीएम नीतिश कुमार मुस्कुराकर लोगों का अभिवादन स्वीकर कर रहे हों लेकिन अंदर की बात यह है कि बीजेपी के सांसद/विधायक/एमएलसी और दूसरे कार्यकर्ताओं के साथ मैराथन बैठक में पीएम मोदी ने नीतिश कुमार का नाम तक नहीं लिया और न ही गठबधंन पर बात की।

यात्रा के पहले दिन पीएम मोदी ने रोड शो के बाद प्रदेश भाजपा कार्यालय में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की। इस बैठक में उन्होंने दो बिंदुओं पर बात की। प्रधानमंत्री मोदी की इस बैठक को चुनाव के मद्देनजर काफी अहम माना जा रहा है। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बताया कि बैठक में सांसद, विधायक, विधान पार्षद और प्रदेश के पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान दो बातों को मुख्य रूप से रखा। उन्होंने कहा कि जो भी विकास योजनाएं हैं, वे अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे इसकी चिंता जनप्रतिनिधि करें। इसके अलावा संगठन को मजबूती प्रदान करने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा का एनडीए का जो गठबंधन है वह और मजबूत बने और धारदार बने। इसके लिए भी उन्होंने टिप्स भी दिए। सूत्रों के मुताबिक पूरी बैठक में एक बार भी पीएम मोदी ने सीएम नीतिश कुमार का नाम नहीं लिया। उनका पूरा जोर सरकारी योजनाओं की निगरानी और उसे जनता तक पहुंचाने पर रहा।

मोदी ने खोला राज्य के विकास के लिए खजाना

पीएम मोदी ने बिहार के रोहतास जिले के बिक्रमगंज में रोडशो किया। रोड शो में वह खुली गाड़ी से पहुंचे और उनके साथ सीएम नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी मौजूद रहे। यहां उन्होंने 48,520 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन/ शिलान्यास और लोकार्पण किया। पीएम मोदी खुली गाड़ी पर सवार होकर लोगों के बीच से गुजरते हुए मंच तक पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्र में बिजली के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देते हुए औरंगाबाद जिले में 29,930 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली नबीनगर सुपर थर्मल पावर परियोजना, चरण-2 (3गुणा800 मेगावाट) की आधारशिला रखी। इस योजना का उद्देश्य बिहार और पूर्वी भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है। यही नहीं पीएम मोदी ने क्षेत्र में सड़क अवसंरचना और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए एनएच-119ए के पटना-आरा-सासाराम खंड को चार लेन का बनाने, वाराणसी-रांची-कोलकाता राजमार्ग (एनएच-319बी) और रामनगर-कच्ची दरगाह खंड (एनएच-119डी) को छह लेन का बनाने और बक्सर और भरौली के बीच एक नए गंगा पुल के निर्माण सहित विभिन्न सड़क परियोजनाओं की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री ने करीब 5,520 करोड़ रुपये लागत वाले एनएच-22 के पटना-गया-डोभी खंड के चार लेन के निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। इसके अलावा एनएच-27 पर गोपालगंज शहर में एलिवेटेड हाईवे के चार लेन के निर्माण और ग्रेड सुधार का भी उद्घाटन किया। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने देश भर में रेल अवसंरचना में सुधार लाने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप अन्य परियोजनाओं के अलावा 1,330 करोड़ रुपये की लागत वाली सोन नगर-मोहम्मदगंज के बीच तीसरी रेल लाइन राष्ट्र को समर्पित की।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पीएम मोदी को चिटठी लिखी है। उन्होंने चिटठी में जम्मू कश्मीर के पुंछ और पाकिस्तान की गोलाबारी से प्रभावित अन्य सभी इलाकों के लिए ठोस राहत एवं पुनर्वास पैकेज घोषित किये जाने की मांग की है। उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया है कि मैं भारत सरकार से आग्रह करता हूं कि पाकिस्तान की गोलाबारी से प्रभावित पुंछ और अन्य सभी इलाकों के लिए एक ठोस और उदारता से भरा राहत और पुनर्वास पैकेज प्रदान किया जाए।

पीएम का दौरा राजनीतिक दिखावा: शक्ति सिंह यादव

राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने इस दौरे को केवल राजनीतिक दिखावा करार दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री के इस दौरे को बिहार के लिए निरर्थक बताया और कहा कि यह प्रचार के लिए ठीक है प्रधानमंत्री के चाहने वालों के लिए भी ठीक है लेकिन बिहार के हित में नहीं है। शक्ति सिंह यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार से जितने वादे किए थे आज तक एक भी पूरा नहीं हुआ। एक दिन और रुकेंगे रात में लिट्टी-चोखा खा लेंगे और कह देंगे कि 365 दिन बिहारी व्यंजन का आइटम मेरे खाने में रहता है। पर क्या बिहार को इससे कुछ मिलेगा? उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि बिहार के बंटवारे के बाद 1.89 लाख करोड़ रुपए का पैकेज तय किया गया था जो कि आज तक पूरा नहीं हुआ। पटना यूनिवर्सिटी को सेंट्रल यूनिवर्सिटी का दर्जा देने की मांग भी अधूरी है जबकि इसके लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुद गिड़गिड़ा रहे थे।

अब प्रदेश में अधिकारियों में भिड़ंत जांच करे सरकार: अखिलेश यादव

» इनकम टैक्स आफिस में बवाल पर सवाल

» सपा प्रमुख ने भाजपा सरकार पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में इनकम टैक्स आफिस में कहासुनी हुई तो असिस्टेंट कमिश्नर ने आईआरएस गौरव गर्ग को दफ्तर के भीतर पीट दिया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने अस्पताल पहुंचकर उनका हाल जाना। वहीं दूसरी तरफ अखिलेश यादव ने सरकार को निशाने पर लेकर तंज कसा। खबर सामने आई तो सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार को निशाने पर लेते हुए तंज कसा।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अब तक पुलिस बनाम पुलिस हो रहा था, अब अधिकारी बनाम अधिकारी हो रहा है। लखनऊ में एक आईआरएस अधिकारी को बंधक बनाकर एक इनकम टैक्स अधिकारी द्वारा पीटे जाने का मामला सामने आया है। इसकी जांच हो और पता किया जाए कि एक आईपीएस अधिकारी के पति के साथ ऐसी घटना क्यों घटी ? इसके सूत्र किस-किस से जुड़े हैं। हजरतगंज के नरही स्थित इनकम टैक्स के दफ्तर में आईआरएस गौरव गर्ग पर जॉइंट कमिश्नर योगेंद्र मिश्रा ने हमला कर दिया। हमले में डिप्टी कमिश्नर गौरव गर्ग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस उन्हें सिविल अस्पताल लेकर पहुंची।इनकम टैक्स दफ्तर के छठें तल पर बृहस्पतिवार को आईआरएस के केबिन में बैठक चल रही थी। सूत्रों के मुताबिक इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों में बहस हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि 2014 बैच के आईआरएस योगेंद्र मिश्र ने पानी के गिलास से गौरव पर हमला कर दिया। इसके बाद बंद केबिन में दोनों अफसरों में मारपीट शुरू हो गई। बताया ह्यह्यजा रहा है कि गौरव गर्ग के नाक से खून बहने लगा। गौरव आईपीएस रवीना त्यागी के पति हैं। रवीना यहां डीसीपी मध्य के पद पर तैनात रही हैं।

इनकम टैक्स दफ्तर में तनाव का माहौल है

बताया जा रहा है कि गौरव गर्ग के नाक से खून बहने लगा। मामला गंभीर देख पुलिस उन्हें एंबुलेंस से सिविल अस्पताल ले गई, जहां उनका इलाज चल रहा है। गौरव गर्ग आईपीएस रवीना त्यागी के पति हैं। रवीना यहां डीसीपी मध्य के पद पर तैनात रही हैं। दो अधिकारियों के बीच हुए विवाद के बाद महकमे में चर्चा तेज हो गई है। इनकम टैक्स दफ्तर में तनाव का माहौल है। किसी को भी कर्मचारियों ने भीतर नहीं जाने दिया। यही नहीं, पुलिस भी पूरे मामले में कुछ भी बोलने से कतरा रही है। उधर, अस्पताल पहुंचे गौरव गर्ग ने डॉक्टरों से कान में सनसनाहट, दाएं पैर के घुटने में चोट और चक्कर आने की शिकायत की। इसके बाद उन्हें भर्ती किया गया। डॉक्टर गौरव गर्ग का इलाज कर रहे हैं। उनकी हालत खतरे से बाहर है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी भी अस्पताल पहुंचे

जानकारी मिली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने आईआरएस गौरव गर्ग से बात करके उनका हाल जाना। सूत्रो के मुताबिक मार्च माह में राजधानी में आईआरएस अधिकारियों का क्रिकेट टूर्नामेंट कराया गया था, जहां योगेंद्र मिश्रा ने टीम में शामिल नहीं करने पर जमकर हंगामा किया था। वह पिच पर ही बैठ कर अधिकारियों को भला-बुरा कहने लगे थे। साथ ही अधिकारियों को अपने परिवार में कई ब्यूरोक्रेट्स और जज होने की धमकी दे रहे थे। वह आयकर विभाग के कई अन्य अधिकारियों पर भी इस तरह शिकायतें करके दबाव बनाते थे। आगरा में तैनाती के दौरान उनकी एक महिला अधिकारी के साथ कहासुनी भी हुई थी। वह आईआरएस अधिकारियों के व्हाट्सएपग्रुप में भी तमाम अनर्गल टिप्पणियां करते थे, जिसके बाद कई बड़े अधिकारियों ने ग्रुप छोड़ दिया था। इसकी तमाम शिकायतें होने पर उनके खिलाफ उच्चस्तरीय जांच शुरू की गई थी। इसी जांच को प्रभावित करने के उद्देश्य से योगेंद्र मिश्रा ने असिस्टेंट कमिश्नर गौरव गर्ग के कार्यालय गए थे। योगेंद्र की पत्नी एआरटीओ के पद पर तैनात हैं। यह भी चर्चा है कि शुक्रवार को प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त विवेक मिश्रा सेवानिवृत्त हो रहे हैं। जांच में खुद को बचाने के लिए योगेंद्र ने मुख्यालय जाकर पैरवी की और मना करने पर हमला कर दिया।

मेरी पार्टी बीजेपी की प्रॉक्सी पार्टी नहीं है: चिराग पासवान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» गलत विषयों पर सरकार का करता हूं विरोध

पटना। चिराग पासवान ने कहा कि पीएम मोदी से जो मेरे संबंध हैं उसे लेकर इस तरह की बातें कही जाती हैं। लेकिन मैं मानता हूं कि गठबंधन के अंदर जिस तरह से मुझे कार्य करने की स्वतंत्रता मिलती है, उसके बारे में सबको पता है।

बीते कुछ समय में ऐसे कई विषय आए जहां मैं बीजेपी के खिलाफ उनके सामने ही खड़ा था। चाहे बात हिंदू-मुस्लिम विवाद की हो या फिर लेटरल एंट्री की, जाति आधारित जनगणना पर मैंने अपनी स्पष्ट राय रखी है, मैं किसी का प्रॉक्सी बनकर काम नहीं करता हूं, मैं पीएम मोदी के प्रति समर्पण अटूट है, मैं उनसे जितना प्यार करता हूं उतना प्यार मैंने अपने पिता से किया होगा। पीएम मोदी ने कल ही मुझे कहा कि मैं आज आपसे बिहार की धरती पर मिल रहा हूं। आप एक युवा बिहारी हैं। उनका ये कहना ही मेरे लिए सबकुछ है। उन्होंने आगे कहा कि आज की तारीख में मेरे पास एक भी विधायक नहीं है। इस वजह से मैं अपनी आवाज को बुलंद नहीं कर पा रहा है। राज्य मुझे मेरी पार्टी को और मजबूत करना है. मैं केंद्र में अपनी राय रखता हूं लेकिन बिहार विधानसभा में मेरी पार्टी का कोई उम्मीदवार नहीं हैं। मैं शिक्षा पर सबसे पहले काम करना चाहता हूं। मैं साथ ही बुनियादी ढांचें पर काम करने की जरूरत है। चिराग पासवान ने कहा कि हमें पलायन रोकने पर काम करना हो. पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हमें काम करना होगा। हमें स्वास्थ्य पर काम करना होगा. किसानों की भी मजूबत बनाना है।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सूबे में राजनीतिक पारा चढ़ने लगा है। पीएम मोदी भी इन दिनों बिहार के दौरे पर हैं। एक तरफ जहां एनडीए फिर से सत्ता में वापसी की बात कर रही है तो वहीं महागठबंधन भी अभी से तैयारियों में जुट गया है। बिहार चुनाव को लेकर चिराग पासवान ने कहा कि अगर मेरी पार्टी चाहेगी तो मैं विधानसभा चुनाव लड़ूंगा। मिशन बिहार मेरा लक्ष्य। बिहार फर्स्ट और बिहारी फर्स्ट मेरी प्राथमिकता है। पार्टी कार्यकर्ता चाहते हैं कि मैं सीएम बनूं। मैं उनकी भावना का सम्मान करता हूं. कार्यकर्ता चाहते हैं कि उनका नेता राज्य के सर्वोच्च पद पर रहे. इसमें कोई बुराई भी नहीं है।

सेना पर टिप्पणी मामले में राहुल गांधी को झटका

» हाईकोर्ट ने राहत देने से किया इनकार याचिका खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ सेना पर कथित अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बृहस्पतिवार को हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ से झटका लगा है। कोर्ट ने मामले में उन्हें राहत देने से इन्कार कर उनकी याचिका खारिज कर दी है।

राहुल गांधी के खिलाफ लखनऊ की एक अदालत में परिवाद दाखिल करते हुए आरोप लगाया गया है कि उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सेना पर कथित अपमानजनक टिप्पणी की थी। परिवाद पर सुनवाई के दौरान स्थानीय अदालत ने राहुल को तलब (समन) किया गया है। राहुल ने याचिका में इसी तलबी आदेश को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की एकल पीठ ने खुली अदालत में याचिका खारिज करने का आदेश दिया। राज्य सरकार की ओर से पेश हुए अपर महाधिवक्ता विनोद कुमार शाही ने याचिका का विरोध किया। शाही ने बताया कि कोर्ट ने कहा है कि विस्तृत आदेश सोमवार (2 जून) को जारी किया जाएगा। राहुल के खिलाफ परिवाद में आरोप है कि राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पदयात्रा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सेना पर टिप्पणी की थी।

छत्तीसगढ़ में भाजपा बढ़ा रही बेरोजगारी: आनंद शुक्ला

कांग्रेस ने कहा- 45 हजार से ज्यादा शिक्षकों के पद को खत्म करने की चल रही है तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में हो रहे युक्तियुक्तकरण को लेकर कांग्रेस ने बीजेपी सरकार को घेरा है। भाजपा पर निशाना साधते हुए इसे रोजगार विरोधी कदम बताया है। पार्टी का कहना है कि युक्तियुक्तकरण से 45 हजार से ज्यादा शिक्षकों के पद खत्म हो जायेंगे। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सरकारी शिक्षा व्यवस्था को चौपट करने साय सरकार ने षड्यंत्र रचा है।

वहीं 10 हजार स्कूल बंद हो जायेंगे। शिक्षकों की नई भर्तियां न करनी पड़े, इसलिए साय सरकार शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण कर रही है। साय सरकार के इस फैसले का सबसे बड़ा नुकसान बस्तर और सरगुजा के आदिवासी अंचलों में पड़ने वाले बच्चों पर पड़ेगा। नए सेटअप में प्राइमरी और मिडिल स्कूलों में एचएम को शिक्षकीय पद मानते हुए प्राइमरी में 30 और मिडिल में 35 बच्चों के बीच एक शिक्षा का सेटअप घोषित किया गया है। प्राथमिक शालाओं में पहली व दूसरी में तीन-तीन विषय एवं तीसरी, चौथी, पांचवी में चार-चार विषय के अनुसार कुल 18 विषय होते हैं, जिन्हें वर्तमान समय में तीन शिक्षकों को 40 मिनट का 6-6 कक्षा लेना होता है, अब युक्तियुक्तकरण के नए नियम के बाद दो ही शिक्षको के द्वारा 18 कक्षाओं को पढ़ाना कैसे संभव हो सकता है? मिडिल स्कूल में तीन क्लास और 6 सब्जेक्ट इस हिसाब से कुल 18 क्लास और 60 बच्चों की कुल संख्या में एचएम और उसके साथ केवल एकमात्र शिक्षक कैसे 18 क्लास ले पाएंगे? इसके अतिरिक्त मध्यान भोजन की व्यवस्था डाक का जवाब और अन्य गैर शिक्षकीय कार्यों की जिम्मेदारी भी इन्हीं पर रहेगी। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष शुक्ला ने कहा कि स्कूलों को जबरिया बंद किए जाने से न केवल शिक्षक बल्कि उन स्कूलों से संलग्न हजारों रसोईया, स्लीपर और मध्यान भोजन बनाने वाली महिला, स्व सहायता समूह की बहनों के समक्ष जीवन यापन का संकट उत्पन्न हो जाएगा। नए सेटअप के तहत सभी स्तर प्राइमरी, मिडिल, हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलो में शिक्षकों के न्यूनतम पदों में कटौती के चलते युवाओं के लिए नियमित शिक्षक के पद पर नई भर्ती के अवसर भी कम हो जाएंगे, शिक्षा के स्तर पर बुरा असर पड़ना निश्चित है। अधिनायकवादी भाजपा सरकार ने इतना बड़ा अव्यवहारिक निर्णय लेने से पहले ना प्रभावित वर्ग से चर्चा की, न ही प्रदेश के भविष्य के बारे में सोचा।

एनडीए में एकजुटता जरूरी: चंद्रबाबू

» बोले- 2029 में हासिल करनी है और बड़ी जीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। टीडीपी सुप्रीमो और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने एनडीए (टीडीपी, बीजेपी और जनसेना) से 2029 के चुनावों में 2024 के चुनावों में मिले बहुमत से भी बड़ी जीत के लिए एकजुट रहने का आह्वान किया। नायडू ने यह आह्वान कडप्पा में 27 से 29 मई तक होने वाले पार्टी के वार्षिक सम्मेलन टीडीपी महानाडु के दूसरे दिन किया।

नायडू ने विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि गठबंधन (एनडीए) को एकजुट होना होगा। 2024 के बहुमत से 2029 के चुनावों में बड़ी जीत हासिल करने की जिम्मेदारी आप सभी पर है। आपको इस पर अपनी स्वीकृति और खुशी व्यक्त करनी होगी। जाति जनगणना कराने के केंद्र के फैसले की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह कदम सही दिशा में उठाया गया है। नायडू ने कहा कि मैं केंद्र को बधाई देता हूं। एक बार जब जनगणना (जाति) हो जाती है और किसी विशेष जाति की संख्या का पता चल जाता है, तो उसके आधार पर उनकी वित्तीय स्थिति का अध्ययन किया जा सकता है और उन्हें एक विशेष सार्वजनिक नीति दी जा सकती है। इससे बहुत लाभ होगा। जनसंख्या प्रबंधन के आह्वान को दोहराते हुए, सीएम ने सभी से जनसंख्या वृद्धि के महत्व को पहचानने की अपील की क्योंकि भविष्य में युवाओं की संख्या में भारी गिरावट आने का खतरा है, जिससे कई समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

बमुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

चंद्रशेखर ने भरी हुंकार, योगी को ललकार

कहा- मांगने से भीख मिलती है, अधिकार छीनने पड़ते हैं

- मिशन 2027 पर जुट गए भीम आर्मी चीफ
- बहुजन समाज 2012 से सत्ता से बाहर
- 2027 के विधानसभा चुनाव में ज्यादा दिन नहीं, कार्यकर्ताओं को अभी से जुट जाना है
- जब सरकार बदलेगी तब हम हिसाब लेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद समाज पार्टी का अस्तित्व बचाओ। भाई चारा बनाओ प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन आगरा के सूर सदन सभागार में हुआ। जिसमें नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने शिरकत की। बता दें कि आजाद समाज पार्टी का यह सम्मेलन आगरा के सूर सदन सभागार में आयोजित किया गया। जहां हजारों कार्यकर्ता और समर्थक जुटे। मंच पर नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद की उपस्थिति ने न केवल भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं में जोश भरा बल्कि सामाजिक और राजनीतिक बदलाव की एक नई लहर की शुरुआत की।

बता दें कि चंद्रशेखर ने अपने संबोधन में दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक और अन्य कमजोर वर्गों को एकजुट होने का आह्वान किया। और बीजेपी की नीतियों को सामाजिक समरसता . और संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ बताया। वहीं जब सरकार बदलेगी, तब हम हिसाब लेंगे। यह सिर्फ शुरुआत है। आपको बता दें कि चंद्रशेखर का यह बयान बीजेपी सरकार के लिए एक खुली चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। जो उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शासन कर रही है और उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी की पुलिस व्यवस्था सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को कुचलने का काम कर रही है और यह दलितों, पिछड़ों, और अल्पसंख्यकों के खिलाफ एक सोची समझी साजिश का हिस्सा है। आपको बता दें कि चंद्रशेखर ने अपने संबोधन में बीजेपी की नीतियों को सामाजिक और आर्थिक असमानता को बढ़ावा देने वाला करार दिया और उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे उन पारंपरिक कार्यों को छोड़ दें, जो समाज में जातिगत भेदभाव को बढ़ावा देते हैं, शेड्यूल कास्ट और बैकवर्ड जो सफाई का काम करते हैं। वह इस काम को छोड़ दें। यह काम उनको दे दो जो इस देश में बहुत शुद्ध बनते हैं। आप लोग डॉक्टर बनो, इंजीनियर बनो, वकील बनो, आईएएस, आईपीएस, सांसद-विधायक बनकर देश की नीतियां बनाने का काम करो।

बीजेपी सरकार दलितों और कमजोर वर्गों को दबाने का प्रयास करती है

चंद्रशेखर ने अपने संबोधन में दो दिन पहले हुई एक घटना का जिक्र किया। जिसमें कथित तौर पर पुलिस ने आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं के साथ बदसलूकी की और उन्होंने मंच से पुलिस प्रशासन को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि जिन्होंने हमारे कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और साथियों के साथ बदसलूकी की है। मैं उस सम्मानित पुलिस अधिकारी से कहना चाहता हूं कि जिस जातीय घमंड में यह काम किया गया है हम उसका हिसाब लेंगे और उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सिर्फ एक घटना नहीं बल्कि सत्ताधारी बीजेपी सरकार की उस मानसिकता का प्रतीक है जो दलितों और कमजोर वर्गों को दबाने का प्रयास करती है।

बहनजी हमारी बड़ी नेता हैं, हम उनका सम्मान करते हैं

चंद्रशेखर ने बहुजन समाज पार्टी और उसकी नेता मायावती के सवाल पर भी अपनी बात रखी और उन्होंने कहा कि बसपा को चिंता करने की जरूरत नहीं है। हम उनके ही रुके हुए काम को आगे बढ़ा रहे हैं। बहनजी हमारी बड़ी नेता हैं। हम उनका सम्मान करते हैं, लेकिन समाज को मरने के लिए नहीं छोड़ा जाता। वहीं यह बात बसपा के साथ आजाद समाज पार्टी के रिश्तों को लेकर चर्चा का विषय बन गया है। चंद्रशेखर ने यह भी कहा कि आजाद समाज पार्टी सभी वर्गों एससी, एसटी, ओबीसी, मुस्लिम, सिख, और जैन समुदायों को साथ लेकर चल रही है और उन्होंने बीजेपी पर आरोप लगाया कि वह समाज को

बांटने की राजनीति कर रही है। जबकि आजाद समाज पार्टी भाईचारे और एकता की बात करती ह और उन्होंने कहा कि हमारा मिशन है समाज को जोड़नान कि तोड़ना बीजेपी की नीतियां समाज को बांटने और कमजोर वर्गों को दबाने की हैं।

बीजेपी की विचारधारा पर सीधा हमला

बता दें कि यह बयान बीजेपी की उस विचारधारा पर सीधा हमला था, जिसे चंद्रशेखर ने जातिवादी और सवर्णवादी करार दिया और उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार ने अपने शासनकाल में न केवल दलितों और पिछड़ों के अधिकारों को कुचला है। बल्कि आरक्षण, सामाजिक न्याय और समानता के सिद्धांतों को भी कमजोर करने का प्रयास किया है और उन्होंने बीजेपी पर आरोप लगाया कि वह संवैधानिक मूल्यों को ताक पर रखकर एक खास वर्ग को बढ़ावा दे रही है जिसके कारण समाज में असमानता और बढ़ रही है। चंद्रशेखर ने आगरा के साथ अपने गहरे नाते का जिक्र करते हुए कहा कि आगरा से मेरा बहुत गहरा नाता है। क्योंकि यही वो धरती है जहां बाबा साहब अंबेडकर के आंसू गिरे हैं, उनका हम पर कर्ज है, हम उनकी असली औलादें हैं। तो हम उनका कर्ज उतारना जानते हैं उन्होंने बाबा साहब के विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया.. और कहा कि आजाद समाज पार्टी उनकी विरासत को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सामाजिक न्याय की लड़ाई जारी रहेगी

वहीं चंद्रशेखर आजाद का यह संदेश स्पष्ट है कि वे न केवल सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं। बल्कि बीजेपी की नीतियों को उजागर कर एक वैकल्पिक राजनीतिक शक्ति के रूप में उभर रहे हैं आगरा का यह सम्मेलन उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया मोड़ ला सकता है। जहां दलित, पिछड़े, और अल्पसंख्यक वर्गों की एकजुटता बीजेपी के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकती है। वहीं मीडिया से रूबरू होने पर सांसद चंद्रशेखर ने फर्श पर बाबा साहब और भगवान बुद्ध के चित्र लगाने की साजिश के सवाल पर कहा कि भीम आर्मी के कार्यकर्ता ने साजिश रची। ये सरासर झूठ है सरकार जब पुलिस पर दबाव डालती है तो इस तरह के काम होते हैं। यदि पुलिस के पास कोई सबूत है तो वह सार्वजनिक कर। कोई षड्यंत्र नहीं चलेगा बाबा साहब का अपमान करने वालों पर कार्रवाई करने पड़ेगी। जिन पुलिसकर्मियों ने गरीब कमजोरों पर लातें चलाने का थप्पड़ चलाने का काम किया। उन पर कार्रवाई करनी पड़ेगी। इसको लेकर बहुत जल्द ही लखनऊ में बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। हम सरकार को बताएंगे कि आत्मसम्मान की लड़ाई कैसे लड़ी जाती है।

बाबा साहब के दिए अधिकार को कोई छीन नहीं सकता

वहीं उन्होंने बीजेपी पर यह भी आरोप लगाया कि वह बाबा साहब के संविधान को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। बीजेपी सरकार संविधान को बदलने की बात करती है लेकिन हम ऐसा होने नहीं देंगे। बाबा साहब ने हमें जो अधिकार दिए और उन्हें कोई छीन नहीं सकता यह बीजेपी के लिए एक बड़ा राजनीतिक हमला माना जा रहा है। खासकर तब जब दलित और पिछड़े वर्गों में संविधान को लेकर संवेदनशीलता बढ़ रही है।

कार्यकर्ताओं में भरा जोश

आपको बता दें कि चंद्रशेखर ने कार्यकर्ताओं को भविष्य की रणनीति के बारे में भी बताया। और उन्होंने कहा कि अगर मैं अपने समाज को एक कॉल दूं कि कल सड़कों पर आना है। तो सरकारें घुटनों पर आ जाएंगी। मैंने अभी तक इस ताकत को रोका है, लेकिन समय आने पर इसका उपयोग किया जाएगा। वहीं चंद्रशेखर का यह बयान बीजेपी के लिए एक खुली चुनौती के रूप में देखा जा रहा है जो यह दर्शाता है कि आजाद समाज पार्टी भविष्य में और आक्रामक रुख अपना सकती है। बता दें कि आजाद समाज पार्टी का यह सम्मेलन न केवल एक सामाजिक और राजनीतिक आयोजन था। बल्कि बीजेपी के लिए एक बड़ा खतरा भी साबित हो सकता है, चंद्रशेखर आजाद की बेबाकी। उनके कार्यकर्ताओं का जोशऔर उनकी एकता की अपील ने उत्तर प्रदेश में

दलि और पिछड़े वर्गों के बीच एक नई राजनीतिक चेतना को जन्म दिया है। बीजेपी पहले ही बसपा और सपा जैसे दलों से चुनौती का सामना कर रही है वहीं अब आजाद समाज पार्टी के रूप में एक नई और मजबूत चुनौती का सामना कर सकती है।

योगी सरकार युवाओं को रोजगार देने में नाकाम

वहीं चंद्रशेखर ने बीजेपी सरकार पर गरीबों और कमजोर वर्गों के प्रति उदासीनता का आरोप लगाया और उन्होंने कहा कि मोदी और योगी सरकार युवाओं को रोजगार देने में नाकाम रही है, दलित, पिछड़े, और अल्पसंख्यक समुदायों के लिए कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई है। उन्होंने बीजेपी पर यह भी आरोप लगाया कि वह कॉरपोरेट्स और पूंजीपतियों के हित में काम कर रही है। जबकि गरीब और कमजोर वर्ग भुखमरी और बेरोजगारी से जूझ रहे हैं। और उन्होंने हाल के वर्षों में दलितों और अल्पसंख्यकों पर बढ़े अत्याचारों का जिक्र करते हुए कहा कि बीजेपी सरकार ने इन मामलों में कोई सख्त कार्रवाई नहीं की और उन्होंने अयोध्या में दलित युवती की हत्या का उदाहरण देते हुए कहा कि जब एक दलित युवती की हत्या होती है, तब सरकार चुप क्यों रहती है यह बीजेपी की दलित विरोधी मानसिकता को दर्शाता है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आज की मीडिया बनी सरकार का भोंपू

आज से लगभग दौ वर्ष पहले 1826 में आज ही के दिन हिन्दी पत्रकारिता दिवस की शुरुआत हुइ थी। वह पत्रकारिता अब तक चल रही है। पर पिछले कुछ वर्षों से पत्रकारिता के पुराने स्वरूप पर बहुत कुठाराघात हुआ है। पहले जहां पत्रकारिता शासन करने वालों के करानामों को उजागर करके उनको आईना दिखाता था जबकि आज की मीडिया सरकार को भोंपू बन गए हैं। जहां इस तरह की गिरावट पत्रकारिता में आई है उसी तरह तकनीकि की वजह से भी यह प्रभावित हो गई है। वैसे तो मीडिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) का उपयोग चैटजीपीटी जैसे शक्तिशाली मॉडलों के आने से बहुत पहले शुरू हो चुका था। एसोसिएटेड प्रेस, ब्लूमबर्ग और रायटर्स जैसे संस्थानों ने एक दशक से अधिक समय पहले से एआइ को पैटर्न-आधारित खबरें, जैसे तिमाही कारोबारी नतीजे, लिखने में इस्तेमाल किया है। लेकिन जनरेटिव एआइ के आगमन ने इसे हर मीडिया संस्थान और पत्रकार के लिए प्रासंगिक बना दिया।

पत्रकारिता के लिए एआइ फायदेमंद है या नुकसानदायक, यह आपके दृष्टिकोण पर निर्भर करता है। आधुनिक और बदलते रहने वाले मीडिया संस्थान निश्चित रूप से लाभ की स्थिति में हैं। लेकिन पत्रकारों के लिए एआइ एक सिक्के के दो पहलू जैसा है। यदि आप इसका अच्छा ज्ञान रखते हैं, तो यह नए अवसर लाता है, यदि आप इससे दूरी बनाते हैं, तो यह चुनौती बन जाता है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिनहुआ ने 2018 में एआइ आधारित वर्चुअल न्यूज एंकर पेश किया, जिसने पत्रकारिता जगत को झटका दिया। यह न्यूज एंकर इंसानों की तरह खबरें पढ़ सकता है और लाइव प्रसारणों को देखकर खुद को बेहतर बना सकता है। हाल के वर्षों में भारत सहित कई देशों में ऐसे प्रयोग हुए हैं। अब तो एआई इतनी सुलभ हो गई है कि यूट्यूब पर सामान्य चैनलों पर भी ऐसे एंकर दिखाई देने लगे हैं। इससे संस्थानों को लाभ है, क्योंकि अधिकांश काम स्वचालित हो सकते हैं और इंसानी न्यूज रीडर की आवश्यकता खत्म हो जाती है। ऐसे एंकर चौबीसों घंटे काम कर सकते हैं और विभिन्न रूपों में प्रस्तुति दे सकते हैं। जाहिर है, एआइ पत्रकारिता का चेहरा और तौर-तरीके बदल रही है। जनरेटिव एआइ के आने से कंटेंट निर्माण का काम भी काफी हद तक स्वचालित हो सकता है। पिछले एक दशक में मीडिया में बहुत बदलाव आयसा है। तकनीकि के साथ लिखने पढ़ाई के तरीके मे परिवर्तन हुआ है। हालांकि इन परिवर्तनों का साइड इफेक्ट भी होता है इसलिए पत्रकारिता से जुड़े लोगों का भी अपनी साख बचाने की कोशिश करनी चाहिए।

“ पत्रकारिता के लिए एआइ फायदेमंद है या नुकसानदायक, यह आपके दृष्टिकोण पर निर्भर करता है। आधुनिक और बदलते रहने वाले मीडिया संस्थान निश्चित रूप से लाभ की स्थिति में हैं। लेकिन पत्रकारों के लिए एआइ एक सिक्के के दो पहलू जैसा है। यदि आप इसका अच्छा ज्ञान रखते हैं, तो यह नए अवसर लाता है, यदि आप इससे दूरी बनाते हैं, तो यह चुनौती बन जाता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जनता-संविधान के प्रति ही जवाबदेह

हेमंत पाल

वर्दी वाले जब किसी को सैल्यूट करते हैं, तो उसका आशय होता है सम्मान, आदर और शिष्टाचार। खासकर सैन्य और पुलिस जैसी संगठित संरचनाओं में सैल्यूट किसी के प्रति सम्मान व्यक्त करने या औपचारिकता का एक शिष्ट तरीका माना जाता है। वास्तव में यह औपचारिक अभिनंदन है, जो शिष्टाचार का पालन करने का संकेत देता है। सैल्यूट अनुशासन और आदेशों के पालन का भी प्रतीक है। यह प्रसंग इसलिए सामने आया कि मध्यप्रदेश के पुलिस महानिदेशक ने अपने मातहत पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रदेश के सभी विधायकों और सांसदों का सैल्यूट से अभिवादन किया जाए। जबकि, अभी तक ऐसा विशिष्ट सम्मान मुख्यमंत्री और मंत्रियों को ही दिया जाता था। लेकिन, अब सांसद और विधायक भी इस सम्मान के काबिल माने जाएंगे।

पुलिस महानिदेशक के निर्देशों के मुताबिक, किसी भी जनप्रतिनिधि के साथ शिष्ट व्यवहार में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। अगर कोई सांसद या विधायक उनसे मिलने आए, तो पुलिस अफसर प्राथमिकता के आधार पर मुलाकात कर उसका निराकरण करें। साथ ही जब किसी समस्या को लेकर सांसद या विधायक फोन करें, तो उनकी बात प्राथमिकता से सुनी जाए और उचित समाधान भी करना होगा। सांसदों और विधायकों के सम्मान को लेकर जारी निर्देश में आठ अलग-अलग परिपत्रों का भी जिक्र किया गया। जारी किए गए निर्देशों में लिखा गया कि सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रमों या किसी भी सामान्य समारोह में पुलिस अधिकारी और कर्मचारी वर्दी में सांसदों और विधायकों को सलामी देंगे। साथ ही अधिकारी सांसदों और विधायकों के पत्रों का समय पर जवाब भी दें। जवाब वाले पत्रों पर अधिकारियों के हस्ताक्षर होने चाहिए। जब भी कोई सांसद या विधायक किसी कार्यालय में आए, तो अधिकारी को सर्वोच्च प्राथमिकता के तौर पर सांसदों और विधायकों से मिलना चाहिए। पुलिस महानिदेशक का यह आदेश ऐसी कई अप्रासंगिक बातें दर्शाता है, जो लोकतंत्र की मान्यताओं से मेल नहीं खाती।

क्योंकि, इस निर्देश के सामने सरकार और जनप्रतिनिधि के बीच का फर्क खत्म हो जाता है। वास्तव में जन प्रतिनिधि को जनता ने अपने प्रतिनिधि के तौर पर चुना है, वो सरकार नहीं है। जबकि, पुलिस प्रशासन का हिस्सा है, जिसे जबरन झुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है। कहा गया कि यह आदेश मुख्यमंत्री से मिले निर्देश के बाद

जारी किया गया। दरअसल, पुलिस अधिकारियों और विधायकों के बीच कुछ समय से तनातनी की खबरें सामने आ रही थीं। कटनी विधायक संदीप जायसवाल और एसपी अभिजीत राजन के बीच कहासुनी हुई। पिछोर से विधायक प्रीतम लोधी और मऊगंज से विधायक प्रदीप पटेल ने लगातार पुलिस के अधिकारियों की घेराबंदी की। विधायक प्रीतम लोधी ने पिछोर के एसपी पर गंभीर आरोप लगाते हुए थाने का घेराव किया और एसपी से उनकी तीखी बहस भी हुई। मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल अपनी सुनवाई नहीं होने के चलते खुद ही थाने में गिरफ्तारी देने पहुंच गए थे। उन्होंने कहा कि अगला नंबर मेरा ही था, तो मैं गिरफ्तारी देने आ गया। नर्मदापुरम के विधायक सीताशरण शर्मा ने भी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। इसी तरह पिछोर विधायक प्रीतम लोधी का शिवपुरी एसपी अमन सिंह राठौर से विवाद चल रहा है। पुलिसकर्मियों को लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से खासी परेशानी का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से ही शिष्टाचार संबंधी मुद्दा जोर पकड़ने लगा था। पुलिस मुख्यालय तक ये मामले पहुंचे, जिसके बाद पुलिस महानिदेशक ने निर्देश जारी किया। देखा जाए तो यह राजनीतिक दबाव का वैधानीकरण है। अब कई माफिया सरगना नेताओं के जरिये पुलिस पर ज्यादा दबाव बनाकर अपना मतलब साध सकते हैं। इससे जनता का भरोसा डगमगाएगा और पुलिस की निष्पक्षता पर भी लोगों को शक होगा। ये माना जाए या नहीं, पर सुरक्षा पंक्ति का आंतरिक अनुशासन भी खंडित और पुलिस विभाग में ऊंचे पदों पर बैठे अफसरों को भी झुकना सिखाया जाएगा। निश्चित रूप से इस फैसले से अफसरशाही का मनोबल टूटेगा। दरअसल, वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमा पद से नहीं, सच्चे कर्तव्य से बनती है, जो इस आदेश से निश्चित रूप से धूमिल होगी।

यदि यह आदेश नेताओं के दबाव में लिया गया, तो स्पष्ट है कि नेताओं की मंशा पुलिस को आजाद नहीं, बल्कि सत्ता का सेवक बनाना है। खास बात तो यह कि पूछा तक नहीं गया कि क्या सांसद और विधायक चाहते हैं कि उन्हें विशेषाधिकार के तहत पुलिस अधिकारी सलामी दें! तो क्या यह माना जाए कि ये आदेश नेताओं के अहं की तुष्टि के लिए जारी किया गया है। इस निर्णय को अलोकतांत्रिक, अहंकारपूर्ण और अपमानजनक कहने वालों की भी कमी नहीं है।

लोकतंत्र की राह में शरीफ़-सेना गठजोड़ का

पुष्परंजन

इमरान ख़ान, अभी भी पाकिस्तान में सलाखों के पीछे हैं। कब बाहर आएंगे? कहना कठिन है। उनके कई समर्थक मानते हैं कि इमरान पर राजनीति प्रेरित आरोप लगाए गए हैं। उन्हें जनवरी, 2025 में 14 साल की जेल की सज़ा सुनाई गई थी, जिसके कारण उन्हें सुलह वार्ता छोड़नी पड़ी थी, जो वह और उनकी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ़ पार्टी (पीटीआई) उस समय सरकार के साथ कर रही थी। शाहबाज़ शरीफ के फंदे युद्ध के बाद मज़बूत हुए हैं। सेना से हुई डील ने शहबाज़ शरीफ की कुर्सी मज़बूत कर दी, यह पाकिस्तान में विपक्ष के लिए चिंता का सबब है। अप्रैल, 2022 में संसदीय विश्वास मत में इमरान ख़ान को पद से हटा दिया गया था और उसके बाद अगस्त, 2023 में उन्हें गिरफ़्तार कर लिया गया। अधिकारी उनके खिलाफ़ कई मामलों की जांच कर रहे हैं, जिनमें भ्रष्टाचार, सत्ता का दुरुपयोग और राज्य के खिलाफ़ हिंसा भड़काने के आरोप शामिल हैं।

पीटीआई का दावा है कि खान के खिलाफ़ सभी मामले राजनीति से प्रेरित हैं। इमरान ख़ान ने खुद सैन्य नेताओं पर 'विदेशी साजिश' के बूते पद से हटाने का आरोप लगाया था। उन्होंने पाकिस्तान के शक्तिशाली जनरलों की खुलकर आलोचना की थी। खान के उस बयान पर सेना के टॉप ब्रास भड़के हुए थे। हालांकि, सेना के जनरल राजनीति में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हैं। यों, शाहबाज़ शरीफ ने जिस बेशर्मी से सैनिक कार्रवाई की राजनीति अपने देश में शुरू की है, उसमें सेना के जनरलों की भी हामी है। जनता के बीच शहबाज़ और जनरल असीम मुनीर की जो छवि बनाई जा रही है, उसके अनुसार, 'पाकिस्तान की सेना ने भारत के मिसाइल और ड्रोन हमलों का पुरज़ोर जवाब दिया है।' एक फ़र्जी सर्वेक्षण 'गैलप पाकिस्तान' द्वारा किया गया, जिसमें बताया गया कि संघर्ष के बाद, 93 फीसद उत्तरदाताओं का सेना के प्रति अधिक अनुकूल दृष्टिकोण रहा है। संक्षिप्त संघर्ष ने शहबाज शरीफ की सरकार को पाकिस्तान की सेना के प्रमुख और इमरान खान के कथित प्रतिद्वंद्वी जनरल आसीम मुनीर को पदोन्नत करने के लिए भी प्रेरित किया। मुनीर को 'रणनीतिक प्रतिभा और साहसी नेतृत्व' के एवज में फील्ड मार्शल नामित किया गया, जिसकी पटकथा पहले से लिख दी गई थी।

मशहूर पाकिस्तानी पत्रकार नजम सेठी बताते हैं, 'खान का अल्पकालिक भविष्य अंधकारमय है। सैन्य नेतृत्व उन्हें ऐसी कोई व्यवस्था देने के लिए प्रेरित या बाध्य नहीं है, जो उनके सत्ता में लौटने का मार्ग प्रशस्त करे।' इसके बरअक्स, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ़ पार्टी (पीटीआई) के नेता शेख वकास अकरम बोलते हैं, 'इमरान खान का भविष्य, किसी भी संदेह से परे, उज्ज्वल है। पाकिस्तान के 24 करोड़ लोगों को पाकिस्तान को बहुआयामी संकट से बाहर निकालने की नीतियों पर अपना अटूट विश्वास, और भरोसा है।' लेकिन क्या इमरान ख़ान को इस मुसीबत से बाहर निकालने के वास्ते बैक डोर चैनल से कोई बातचीत भी हो रही है? ख़ान ने सरकार और सेना के साथ ऐसी किसी बातचीत से इनकार किया है। पिछले हफ्ते इमरान ख़ान ने एक ऑनलाइन पोस्ट में इस बात से इनकार किया कि ऐसी किसी बातचीत के लिए उनसे संपर्क किया गया था। खान ने बातचीत की खबरों को 'पूरी तरह से झूठा' बताया।

राजनीतिक टिप्पणीकार, आस्मा शिराजी के अनुसार, 'खान का भविष्य मुख्यत: उनके अपने व्यवहार पर निर्भर करता है।' आस्मा शिराजी ने कहा, 'खान वर्तमान में अपनी रिहाई के लिए बातचीत करने की स्थिति में नहीं हैं, जैसा कि वे महीनों पहले थे।' लेकिन, इमरान ख़ान की पार्टी, 'पीटीआई' में सूचना सचिव के रूप में काम करने वाले अकरम सॉफ्ट रुख़ अख्तियार करते हुए बताते हैं कि पाकिस्तान के सशस्त्र बल संविधान के तहत गैर-पक्षपाती और गैर-राजनीतिक हैं। इस बयान से यही अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि पीटीआई बैकफुट पर चल रही है। उनके समर्थक सत्ता प्रतिष्ठान द्वारा दमन के डर से सड़कों पर सार्थक विरोध प्रदर्शन शुरू करने और उसे जारी रखने में असमर्थ दिख रहे हैं। पीटीआई पार्टी में सूचना सचिव अकरम के अनुसार, 'भारत के साथ हाल ही में हुए संघर्ष के बाद सेना की लोकप्रियता को चेयरमैन इमरान खान की अवैध कैद से रिहाई को जोड़ना, हमारे विचार से तालमेल नहीं रखता है।' दरअसल, पीटीआई इस समय नेतृत्व संकट का सामना कर रही है। पूर्व प्रधानमंत्री के जेल में होने के कारण पीटीआई के भीतर दरारें तेजी से दिखाई देने लगी हैं। पार्टी के भीतर गुट बना चुके नेता, परस्पर विरोधी एजेंडे पर काम कर रहे हैं।

कई रिपोर्टों में पीटीआई के शीर्ष नेताओं, जिनमें असद क़ैसर, शिबली फ़राज़, उमर अयूब, गौहर अली और शेर अफ़ज़ल शामिल हैं, के बीच मतभेदों को उजागर किया गया है। पीटीआई के भीतर एक करिश्माई और मुखर व्यक्ति शेर अफ़ज़ल ने पार्टी नेतृत्व की नीतियों पर अपनी आपत्ति दर्ज़ की है। पीटीआई के मुखर नेता शेर अफ़ज़ल मारवात एक अलग गुट के साथ अपनी ताक़त का ख़म ठोक रहे हैं। पीटीआई जिस तरह अंदरूनी विवाद की शिकार है, उसमें कहीं न कहीं पीएम शहबाज़ शरीफ के राजनीतिक स्लीपर सेल की भूमिका है। 25 से 30 मई तक प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ तुर्की, ईरान, अजरबैजान और ताजिकिस्तान के दौरे पर हैं। यह दिलचस्प है कि शहबाज़ शरीफ चार ऐसे प्रमुख इस्लामी देशों से संपर्क कर रहे हैं, जो गैर-अरब देश भी हैं। तुर्की नाटो का सदस्य है, जबकि ईरान खुद को एक पश्चिमी विरोधी देश के रूप में पेश करता है। डोलमाबाचे पैलेस में शहबाज़ शरीफ और एर्दोआन की मुलाक़ात पर तुर्की के दैनिक सबा ने कहा, 'बातचीत दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर केंद्रित थी।'

नंगे पैर घास पर चलने के हैं फायदे अनेक

पैदल चलना व्यायाम प्रक्रिया का सबसे प्रभावी और आसान विकल्प है। रोजाना 10000 कदम पैदल चलने की सलाह दी जाती है, इसके कई स्वास्थ्य लाभ हैं। लेकिन अक्सर आपने पार्क में लोगों को नंगे पैर घास पर चलते देखा होगा। उनसे पूछने पर कोई कहता है कि नंगे पैर घास पर टहलने से आंखों की रोशनी तेज होती है, तो किसी का कहना है कि इससे तनाव में कमी आती है। घास पर बिना चप्पल चलने से पैरों में दर्द से राहत मिलती है। इसके अलावा घास पर नंगे पैर चलने से स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर होता है और इसका असर हमारे शरीर के कई अंगों पर भी होता है। घास पर नंगे पैर चलना एक आरामदेह गतिविधि है, जो कई तरह के स्वास्थ्य लाभ दे सकती है। ज्यादातर हम कठोर सतह वाले जूते-चप्पल पहने रहते हैं, लेकिन प्रकृति के साथ जुड़ने का यह माध्यम स्वास्थ्य को आश्चर्यचकित लाभ दे सकता है। यह आरामदायक अनुभव की तरह तो लगता ही है।

घास पर कब चलना चाहिए नंगे पैर

सुबह सूर्योदय के समय लगभग 15 से 30 मिनट हरी घास पर नंगे पैर चलना अधिक स्वास्थ्य लाभ दे सकता है। शाम को भी घास पर टहल सकते हैं लेकिन सुबह टहलना ज्यादा बेहतर समय होता है।

होगा बेहतर रक्त संचार

जब आप घास पर नंगे पैर चलते हैं, तो आपके पैर स्वाभाविक रूप से जमीन पर दबाव डालते हैं जो आपके पूरे शरीर में रक्त प्रवाह को उत्तेजित कर सकता है। जो लोग नियमित रूप से हरी और ताजी घास के संपर्क में रहते हैं, उनका रक्तचाप संतुलित पाया गया है। यह क्रिया सूजन को कम करने और पैरों और उसमें रक्त संचार को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है, संभावित रूप से वैरिकाज नसों या खराब रक्त संचार जैसी स्थितियों को रोक सकती है। घास पर नियमित रूप से नंगे पैर चलने से आपके लसीका तंत्र को भी बढ़ावा मिल सकता है, जिससे विषाक्त पदार्थों को अधिक प्रभावी ढंग से बाहर निकालने में मदद मिलती है।

बेहतर संतुलन के साथ बेहतर मुद्रा

घास पर नंगे पैर चलने से आपके पैर अधिक स्वाभाविक रूप से चलते हैं, जिससे मुद्रा और संतुलन में सुधार होता है। लेकिन जब आप बहुत अधिक कुशनिंग या हील्स पहनते हैं तो आपका सामान्य चलने का तरीका बाधित हो सकता है। घास पर चलने से आपके पैरों की मांसपेशियां अधिक सक्रिय होती हैं, जिससे बेहतर संतुलन मिलता है। समय के साथ, यह आपके पैर और पैर की मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद कर सकता है, जिससे आपके बेहतर संतुलन और मुद्रा में काफी सुधार होता है।

पैरों के लिए बेहतर

घास जैसी प्राकृतिक सतहों पर चलने से आपके पैरों की मांसपेशियों, जोड़ों और टेंडन को मजबूती मिलती है। यह आपके पैरों के प्राकृतिक आर्च को भी बढ़ावा देता है, जिससे पैरों से जुड़ी समस्याओं जैसे कि फ्लैट फीट या प्लांटर फेशिआइटिस के विकसित होने का जोखिम कम हो सकता है। घास फुटपाथ या कंक्रीट से ज्यादा नरम होती है, इसलिए यह आपके पैरों को चलने के लिए एक नरम सतह प्रदान करती है। यह पैरों के दर्द और बेचैनी को कम करने में मदद कर सकता है जो इसे उन लोगों के लिए एक आदर्श अभ्यास बनाता है जो अपने पैरों पर बहुत समय बिताते हैं या पैरों की बीमारियों से पीड़ित हैं।

मिलता है विटामिन डी

घास पर नंगे पैर चलने से विटामिन डी के स्तर पर सीधे असर नहीं पड़ता है, लेकिन इस अभ्यास के लिए आमतौर पर लोग घर से बाहर धूप के संपर्क में आते हैं। सूरज की रोशनी में रहना शरीर के लिए विटामिन डी के उत्पादन का सबसे प्राकृतिक तरीका है। घास पर नंगे पैर चलने में बस कुछ मिनट बिताने से आपके शरीर को इस आवश्यक पोषक तत्व मिलता है जो हड्डियों के स्वास्थ्य, इम्यून फंक्शन और समग्र स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

चिंता और तनाव होता है कम

घास पर नंगे पैर चलने का सबसे पहला और दिखने वाला लाभ यह है कि यह तुरंत मूड को बेहतर बनाता है। प्रकृति में रहने से कोर्टिसोल के स्तर को कम करने में मदद मिल सकती है, जो तनाव के लिए जिम्मेदार हार्मोन है। आसपास की हरियाली पुरुषों और महिलाओं दोनों में तनाव को कम करने में मदद कर सकती है। जब आप नंगे पैर चलते हैं तो धरती से शारीरिक संबंध आपको जमीन से जुड़ा महसूस कराता है जिसे अर्थिंग या ग्राउंडिंग के रूप में जाना जाता है। घास पर नंगे पैर चलने से आपको रात में बेहतर नींद आती है। साथ ही घास पर नंगे पैर चलने की क्रिया हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को गहराई से प्रभावित कर सकती है। इससे रक्त संचार बेहतर होता है जो तनाव, अनिद्रा समेत शरीर को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से कई तरह के स्वास्थ्य लाभ देता है।

हंसना मना है

वाईफ टीवी पर मॅच देख रही थी, हसबंड स्मार्ट बनके आया और बोला, डार्लिंग मैं कैसा लग रहा हुं? तभी वाईफ जोरसे चिल्लाई, छक्का!

रुपेश: पापा मुझे एक लड़की पसंद है, मैं उससे शादी करना चाहता हूं.. पापा: क्या वो भी तुझे पसन्द करती है? रुपेश: हां जी हां.. पापा: जिस लड़की की पसन्द ऐसी हो, मैं उसे अपनी बहू नहीं बना सकता।

सरदार दुखी था। किसी ने पुछा: क्यों टेंशन में हो? सरदार: यार एक दोस्त को प्लास्टिक सर्जरी के लिए 2 लाख दिए, अब उसको पहचान नहीं पा रहा हूं।

संता अपनी बीमारी की वजह से डॉक्टर के पास गया, डॉक्टर: आपकी बीमारी की सही वजह मेरी समझ में नहीं आ रही, हो सकता है दारु पीने की वजह से ऐसा हो रहा हो, संता: कोई बात नहीं डॉक्टर साहब, जब आपकी उतर जाएगी तो मैं दोबारा आ जाऊंगा।

पापा और 15 साल का बेटा एक होटल में गए, पापा: वेटर एक बियर और एक आईसक्रीम लाओ, बेटा: आईसक्रीम क्यों पापा, आप भी बियर लीजिये ना, दे.. चप्पल.. पे.. चप्पल!

कहानी | विजेता मेंढक

एक सरोवर में बहुत सारे मेंढक रहते थे। सरोवर के बीचों-बीच एक बहुत पुराना धातु का खम्भा था जिसे उस सरोवर को बनवाने वाले राजा ने लगवाया था। खम्भा काफी ऊंचा था और उसकी सतह भी बिलकुल चिकनी थी। एक दिन मेंढकों के दिमाग में आया कि क्यों ना एक रेस करवाई जाए। रेस में भाग लेने वाली प्रतियोगीयों को खम्भे पर चढ़ना होगा और जो सबसे पहले ऊपर पहुंच जाएगा वही विजेता माना जाएगा। रेस के दिन चारो तरफ बहुत भीड़ थी, आस-पास के इलाकों से भी कई मेंढक इस रेस में हिस्सा लेने पहुंचे। माहौल में सरगर्मी थी, हर तरफ शोर ही शोर था। लेकिन खम्भे को देखकर भीड़ में एकत्र हुए किसी भी मेंढक को ये यकीन नहीं हुआ कि कोई भी मेंढक ऊपर तक पहुंच पायेगा हर तरफ यही सुनाई देता, अरे ये बहुत कठिन है, वो कभी भी ये रेस पूरी नहीं कर पायंगे,सफलता का तो कोई सवाल ही नहीं, इतने चिकने खम्भे पर चढ़ा ही नहीं जा सकता और यही हो भी रहा था, जो भी मेंढक कोशिश करता, वो थोडा ऊपर जाकर नीचे गिर जाता, कई मेंढक दो-तीन बार गिरने के बावजूद अपने प्रयास में लगे हुए थे। पर भीड़ तो अभी भी चिल्लाये जा रही थी, ये नहीं हो सकता, असंभव और वो उत्साहित मेंढक भी ये सुन-सुनकर हताश हो गए और अपना प्रयास छोड़ दिया। लेकिन उन्ही मेंढकों के बीच एक छोटा सा मेंढक था, जो बार-बार गिरने पर भी उसी जोश के साथ ऊपर चढ़ने में लगा हुआ था। वो लगातार ऊपर की ओर बढ़ता रहा और अंततः वह खम्भे के ऊपर पहुंच गया और इस रेस का विजेता बना। उसकी जीत पर सभी को बड़ा आश्चर्य हुआ, सभी मेंढक उसे घेर कर खड़े हो गए और पूछने लगे, तुमने ये असंभव काम कैसे कर दिखाया, भला तुम्हे अपना लक्ष्य प्राप्त करने की शक्ति कहां से मिली, ज़रा हमें भी तो बताओ तभी पीछे से एक आवाज़ आई अरे उससे क्या पूछते हो, वो तो बहरा है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

वृषभ

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। कारोबारी वृद्धि की योजना बनेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। समय की अनुकूलता रहेगी।

मिथुन

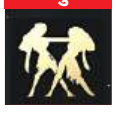

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। बाहर जाने की योजना बनेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ समय मनोरंजन में व्यतीत होगा।

कर्क

उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। मित्रों की सहायता करने का मौका मिलेगा।

सिंह

उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। नए मित्र बनेंगे। कोई बड़ा कार्य करने की इच्छा जागृत होगी।

कन्या

नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के काम में दखल न दें। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

तुला

व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। किसी मनोरंजक कार्यक्रम का हिस्सा बन सकते हैं। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक

यात्रा मनोरंजक रहेगी। सामाजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। व्यापार ठीक चलेगा। परिवार के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

धनु

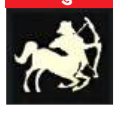

नवीन कार्ययोजना फलीभूत होगी। नौकरी वर्ग का कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। आज पुराने मित्रों के साथ समय मनोरंजक बीतेगा।

मकर

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनोरंजन के साधन प्राप्त होंगे। तीर्थदर्शन की योजना बनेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कुम्भ

हल्की हंसी-मजाक न करें। विवाद हो सकता है। किसी व्यक्ति की नाराजी से मन खराब होगा। मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मीन

किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मित्रों का सहयोग व साथ मिलेगा। भाइयों से मतभेद दूर होंगे।

आलिया जैसा हर कोई नहीं : पलक

सीरीज 'क्रैकडाउन' में साकिब सलीम के साथ काम करने के बाद अभिनेत्री पलक जायसवाल हाल ही में रिलीज हुई सीरीज 'ब्लैक व्हाइट एंड ग्रे' में दमदार किरदार में नजर आईं। इस सीरीज के बाद से उन्हें काफी एप्रिशिएट किया जा रहा है। भोपाल की रहने वालीं पलक मायानगरी में अपनी एक्टिंग के दम पर पहचान बनाना चाहती हैं। जब उनसे पूछा गया कि उनका एक्टिंग का सफर कैसे शुरू हुआ तो उन्होंने कहा, 'मैं बचपन से एक्टर नहीं बनना चाहती थी। छोटी उम्र में ही मैं मुंबई आ गई थी और मैंने स्कूलिंग यहीं से की। बचपन से डांस अच्छा करती थी तो मम्मी-पापा को यकीन था कि एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अच्छा करूंगी। पापा ने पृथ्वीराज थिएटर में ज्वाइन करा दिया और वहीं से एक्टिंग में दिलचस्पी आ गई।' इस दौरान पलक ने अपने संघर्ष पर भी बात की। उन्होंने ऑडिशन के दौरान होने वाले रिजेक्शन पर बात करते हुए कहा, 'शुरू में मैंने बहुत रिजेक्शन फेस किए लेकिन एक कास्टिंग कंपनी में काम करने के बाद मुझे इस बात का आभास हुआ कि रिजेक्शन कभी भी पर्सनल नहीं होते। अब रिजेक्शन से बस इतना समझ आता है कि मैं हर रोल के लिए नहीं बनी हूं और शायद मेरी पर्सनालिटी उस रोल में फिट नहीं हो रही हैं। इसलिए मुझे वो रोल नहीं मिला।'नेपोटिज्म को लेकर एक्ट्रेस ने कहा, 'नेपोटिज्म हर चीज में हैं। ये स्टार किड्स की ब्लेसिंग है, उनकी फैमिली से उन्हें वो मिला है। लेकिन हमेशा हर किसी के लिए ये काम नहीं करता है। सभी लोग आलिया भट्ट के जैसे ही वो नाम नहीं कर पाते जो उनके पेरेंट्स कर पाए हैं। तो सभी का संघर्ष और टैलेंट ही आखिर में उन्हें आगे लेकर जाता है।' अपने आइडियल के बारे में बताती हैं कि उनकी आइडियल हॉलीवुड एक्ट्रेस मेरिल स्ट्रीप उनकी फेवरेट एक्ट्रेस हैं। और मैं उम्मीद करती हूं कि आलिया भट्ट के दमदार किरदारों के जैसे ही मैं भी काम करूं।'

बोलीं- सभी का संघर्ष और टैलेंट ही आखिर में उन्हें आगे लेकर जाता है

परेश रावल ने की सीरीज की तारीफ

पलक की सीरीज 'ब्लैक व्हाइट एंड ग्रे' की तारीफ करते हुए हाल ही में दिग्गज एक्टर परेश रावल ने एक्स पर पोस्ट किया था कि ऐसे कॉन्टेंट को सिनेमा में बढ़ावा मिलना चाहिए। इस पर अभिनेत्री ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'हम उनकी फिल्में देखकर बड़े हुए हैं, उनके बाबूराव के किरदार को देखकर लगता है कि काश मैं भी ऐसी ही एक्टिंग कर पाऊं। तो उनके रिएक्शन से एक हिम्मत मिली कि ऐसे ही बस अच्छा काम करती जाऊं।'

कुरैशी ने जम्मू के पर्यटन स्थल को दिया बढ़ावा

राज कुमार थापा के परिवार से मिलीं हुमा

अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने जम्मू में एक वरिष्ठ अधिकारी राज कुमार थापा के परिवार से मुलाकात की, जिनकी पाकिस्तानी गोलाबारी में मृत्यु हो गई थी। इस दौरान हुमा ने जम्मू के पर्यटन स्थल को बढ़ावा देने की पहल भी की है। जम्मू में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक पहल शुरू की गई है, जिसमें मशहूर हस्तियों के दौरे शामिल हैं। इसकी शुरुआत हुमा कुरैशी की यात्रा से हुई। वे शांति और आशा का संदेश देने जम्मू पहुंचीं। हुमा ने राजौरी के अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त राज कुमार थापा के परिवार से उनके घर पर मुलाकात की। थापा की 10 मई को राजौरी में पाकिस्तानी गोलीबारी में मृत्यु हुई थी। इस दौरान हुमा ने जम्मू और कटरा के होटल व रेस्तरां एसोसिएशन के लोगों से भी बात की। अभिनेत्री ने जम्मू की सुंदरता, आतिथ्य और संस्कृति को बढ़ावा देने की अपील की। उनका कहना था कि मशहूर हस्तियों का समर्थन पर्यटकों का भरोसा बढ़ा सकता है। शाम को भारत-पाक सीमा पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ, जो एकता और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक था। हुमा कुरैशी ने वहां जम्मू-कश्मीर के लोगों की हिम्मत और भावना की प्रशंसा की। उन्होंने और हस्तियों से इस खूबसूरत क्षेत्र की संस्कृति और आतिथ्य का अनुभव करने की अपील की। अधिकारी ने कहा कि कुरैशी की यात्रा जम्मू-कश्मीर को एक सुरक्षित और आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देने का एक मजबूत संदेश है।

बॉलीवुड **मन की बात**

श्री श्री रविशंकर के साथ हार्ट इमोजी बनाती नजर आईं हिना

योगा का समझाया अर्थ

टीवी एक्ट्रेस हिना खान इन दिनों आध्यात्मिक गुरू श्री श्री रविशंकर के आश्रम में हैं। हिना ने आध्यात्मिक गुरू से ध्यान प्रशिक्षण लिया है। आज हिना ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए वहां की कई तस्वीरों को शेयर किया और साथ ही योगा का असली अर्थ समझाया। हिना खान ने सोशल मीडिया पर श्री श्री रविशंकर के साथ कई तस्वीरें शेयर कीं और साथ ही योग का अर्थ भी समझाया। हिना ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, योगा का अर्थ है हम सभी के भीतर की सार्वभौमिक शक्ति से जुड़ना। यह चेतन, अवचेतन और पराचेतन के साथ एकता में जुड़ना है। आगे हिना ने यह भी बताया कि उन्हें आश्रम में बहुत कुछ सीखने को मिला। हिना ने आगे लिखा, शहरी जीवन की भागदौड़ से दूर इस खूबसूरत आश्रम में बहुत कुछ सीखा। सांस नियंत्रण की तकनीकों से लेकर माइंड फुलनेस तक। इस जगह पर बहुत कुछ है, जैसे सुदर्शन क्रिया, सहज समाधि, अंतर्ज्ञान कार्यक्रम और बहुत कुछ। बहुत सारी थेरेपी और अनुभव जो आपको प्रकृति और खुद दोनों के करीब लाते हैं। हिना ने अपने फैंस से खास अपील करते हुए कैप्शन में आगे लिखा, हर किसी को यहां आना चाहिए और बदलाव देखने के लिए खुद इसका अनुभव करना चाहिए। यह सभी मनुष्यों के लिए जरूरी है। मैं हर दिन इस श्वास अभ्यास का अभ्यास करना जारी रखूंगा..। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बॉलीवुड एक्टर विक्रांत मैसी आध्यात्मिक गुरू श्री श्री रविशंकर के जीवन पर आधारित फिल्म में नजर आएंगे। इस फिल्म में विक्रांत मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग इस साल अगस्त में शुरू होगी। फिल्म का नाम है- व्हाइट।

महिला की हैं 4 बेटियां, एक ही दिन पड़ता है बर्थडे, पर नहीं हैं ट्विंस

दुनिया में हर मिनट बच्चे पैदा हो रहे हैं। इसमें कोई बड़ी बात नहीं है कि दो औरतों को एक ही दिन, एक ही वक्त पर बच्चे पैदा हो जाएं। पर रोचक स्थिति तब पैदा होती है जब एक ही महिला को एक ही दिन दो बच्चे हों, यानी जुड़वां या ट्विंस। दुनिया में बहुत से ट्विंस हर साल पैदा होते हैं। मगर अमेरिका की एक महिला के केस में ये मामला जरा पेचीदा है। इस महिला की 4 बेटियां हैं, चारों का बर्थडे एक ही दिन है। आप सोचेंगे कि ये सभी एक ही दिन पैदा हुई होंगी। मगर ऐसा नहीं है, वे सभी एक दूसरे से 2-3 साल छोटी हैं। जब लोगों को इस स्थिति के बारे में पता चलता है तो वो हैरान हो जाते हैं। 35 साल की क्रिस्टेन लैमर्ट , अपने 36 साल के पति निक के साथ साउथ कैरोलाइना में रहती हैं। उनकी 4 बेटियां हैं। 9 साल की सोफिया, 6 साल की गुइलियाना, 3 साल की मिया और 4 हफ्ते की वैलेंटीना। उम्र से आप समझ ही गए होंगे कि ये सारी लड़कियां ट्विंस नहीं हैं। पर इन चारों का बर्थडे 25 अगस्त को पड़ता है। महिला का कहना है कि चारों अलग-अलग वक्त पर कंसीव हुई थीं, और उनकी ड्यूडेट भी अलग थी। उसके बावजूद ये चमत्कार हो गया जिसे करोड़ों में से एक बार माना जाता है। कपल डिज्नी वर्ल्ड मैजिक कंगडम में पाइरेट्स के तौर पर साल 2009 में काम किया करते थे। तब दोनों की मुलाकात हुई और प्यार हो गया। अक्टूबर 2014 में उन्होंने शादी कर ली थी। क्रिस्टेन ने बताया कि उनकी आखिरी दो बेटियां प्रीमेच्योर थीं, यानी वक्त से पहले पैदा हो गई थीं। कपल ने जब प्लान किया कि वो माता-पिता बनेंगे, तब उन्होंने सोचा था कि वो 3 या 4 बच्चे पैदा करेंगे। 2015 में जब क्रिस्टेन पहले बच्चे से प्रेग्नेंट हुईं तो कपल बहुत खुश हुआ था। पहली बेटी का जन्म 25 अगस्त 2015 को हुआ था। जब वो 2 साल की हुई, तब कपल ने दूसरा बच्चा करने का सोचा। दिसंबर 2017 की शुरुआत में वो फिर प्रेग्नेंट हुई। दूसरी बेटी की ड्यूडेट अगस्त के अंत में दी गई, पर बेटी 25 अगस्त को पैदा हुई। तीसरी बेटी की ड्यूडेट सितंबर में थी पर वो समय से पहले 25 अगस्त को हो गई। चौथी बेटी के मामले में भी ऐसा ही हुआ।

अजब-गजब **भयानक हाथ जैसा दिखता है ये अजीब जीव**

सड़े मांस की तरह आती है इसकी गंध

अगर आपको लगता है कि दुनिया में सबसे खतरनाक जीव वायरस होते हैं। तो शायद आप फंगस यानी फफूंद या कवक के खतरों से वाकिफ नहीं हैं। साइंटिस्ट्स के लिए वायरस से ज्यादा रहस्यमयी फफूंद या फंगस हैं। कई वैज्ञानिक चेता चुके हैं कि वायरस से ज्यादा खतरनाक तबाही फंगस के जरिए दुनिया में आ सकती है। हाल में एक अजीब सा फंगस चर्चा में है जो नुकसान तो नहीं करता, लेकिन खतरनाक लगता जरूर है। इस एलियन जैसे फंगस को 'डेविल्स फिंगर्स' कहा जाता है। इसे हाल ही में यूनाइटेड किंगडम के न्यू फॉरेस्ट में देखा गया है जिस की गंध सड़े हुए मांस की तरह है और इसका हाथ एक भयानक सा दिखता है जो सीधे कब्र से निकलता हुआ लगता है। इसे एक सेवानिवृत्त शिक्षिका जूलिया रॉसर ने खोजा था। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, 67 साल की रॉसर ने कहा, यह किसी भी हाथ की तुलना में अधिक दिख रहा था, जो मैंने पहले कभी नहीं देखा था। ऐसा लग रहा था कि यह कब्र से बाहर निकल रहा है। यह बहुत डरावना लग रहा था। यह फंगस आमतौर पर अक्टूबर के अंत में पाया जाता है, लेकिन गीले मौसम के कारण यह जल्दी दिखाई देने लगा है। रॉसर ने कहा, मुझे पिछले साल लगभग इसी क्षेत्र में डेविल्स फिंगर्स मिले थे, इसलिए मैं उनकी तलाश में थी। वे इन लाल टेंटेकल्स या उंगलियों के साथ जमीन से बाहर निकलते हैं। इस अजीब दिखने वाले फंगस के और नाम भी हैं जैसे ऑक्टोपस स्टिंकहॉर्न या ऑक्टोपस फंगस। यह कवक न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया का मूल निवासी है और माना जाता है कि प्रथम विश्व युद्ध के दौरान सैन्य आपूर्ति के हिस्से के रूप में इसे फ्रांस ले जाया गया था। विशेषज्ञों के अनुसार, कवक एक अंडे से निकलता है जो चिपचिपा और जिलेटिनस प्रकृति का होता है और जैसे-जैसे यह बढ़ता है, इसकी तंबू जैसी भुजाएं बाहर निकलने लगती हैं। इसके चमकीले लाल रंग के कारण इसे पहचानना आसान है। यह यूनाइटेड किंगडम में बहुत दुर्लभ है। कई बार ये देखने में तो सुंदर लग सकते हैं, लेकिन इनकी बदबू के कारण कोई इन्हें खाने के बारे में नहीं सोचता है। जबकि असल में में जहरीले भी नहीं होते हैं। इनका आकार 5-7 सेमी ऊंचा हो सकते हैं। लेकिन फैलाव इससे भी बड़ा हो सकता है।

रेखा सरकार पर विपक्ष का प्रहार

» जमीन पर काम कर रही सरकार : वीरेंद्र सचदेवा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली को बेहतर बनाने के लिए प्रदेश भाजपा सरकार अपनी नीति और नीयत को सच्चा और अच्छा बता रही है। इसे लेकर शुक्रवार को वह अपना रिपोर्ट कार्ड भी पेश करने जा रही है। इससे एक दिन पहले कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने सरकार का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करते हुए चुनाव पूर्व किए वादों पर कटाक्ष किया। कांग्रेस नेता देवेंद्र यादव ने कहा कि सिर्फ सौ दिन में सौ जुमले ही बोले हैं भाजपा सरकार ने कोई काम नहीं किया। वहीं भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा जमीन पर सरकार काम कर रही है। सरकार की शुरुआती गति तेज और जिम्मेदारी भरी रही है। बहानों के बजाय समाधान दिया जा रहा है। सीएम खुद जमीनी स्तर पर निरीक्षण करती हैं।

भाजपा 100 दिन का पेश करेगी रिपोर्ट कार्ड

100 दिन में 100 जुमले : देवेंद्र यादव

मेरी नजर में यह श्रेष्ठ और सक्रिय सरकार है। आयुष्मान भारत कार्ड लागू हो गया। इससे वरिष्ठ नागरिकों में उत्साह है। उनको इसका लाभ भी मिल रहा है। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की स्थापना से जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवा मजबूत हुई है। मोहल्ला क्लीनिक पहले एस्प्रिन बांटने तक सीमित रह गए थे। आरोग्य मंदिर में जांच, एक्स-रे और परामर्श सरीखी सुविधाएं मिल रही हैं। बिल्कुल। 400 नई ई-बसों ने सार्वजनिक परिवहन को सहारा दिया है। जल संकट से जूझ रहे इलाकों में टैंकरों पर जीपीएस लगाने से पारदर्शिता आई है। अब हर टैंकर तय गंतव्य पर पहुंच रहा है। इससे पानी की कालाबाजारी थमी है।

केजरीवाल ने खटखटाया कोर्ट का दरवाजा

पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने पासपोर्ट के नवीनीकरण के लिए एनओसी की मांग करते हुए राउज एवेन्यू कोर्ट में अर्जी दी है। उनका निजी पासपोर्ट 2018 में समाप्त हो गया था। विशेष न्यायाधीश दिग्विनय सिंह ने ईडी और सीबीआई को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 4 जून को तय की है। अरविंद केजरीवाल के वकील ने कहा कि उनका पासपोर्ट 2018 में एक्सपायर हो गया था। वह दिल्ली के सीएम होने के नाते अपने आधिकारिक पासपोर्ट का इस्तेमाल कर रहे थे। अब वह अपने निजी पासपोर्ट के नवीनीकरण के लिए एनओसी मांग रहे हैं। उनके वकील ने कहा कि वह 10 साल के लिए अपने पासपोर्ट का नवीनीकरण चाहते हैं। बृहस्पतिवार को आबकारी नीति से जुड़े मुख्य मामले की सुनवाई के दौरान

अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, के कविता और अन्य आरोपी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए।

मध्यम व गरीब विरोधी है सरकार : सौरभ भारद्वाज

दिल्ली में 27 साल बाद बनी भाजपा की सरकार से लोगों को काफी उम्मीद थी, लेकिन 100 दिन में ही सारे सपने टूट गए। मध्यम वर्ग की कमर टूट गई। गरीब पिस रहा है। केजरीवाल सरकार ने मुफ्त पानी-बिजली सहित दूसरी सुविधाओं पर भी भाजपा की सरकार ने कैंची चलाई। लेकिन योजना का फायदा किसे मिल रहा है। आने वाले दिनों में इस योजना की सच्चाई सामने आएगी। दूसरे राज्यों की तरह यहां भी कुछ नहीं मिलेगा। जबकि केजरीवाल सरकार ने दिल्ली के हर व्यक्ति को मुफ्त सुविधा दी। मोहल्ला क्लीनिक बनाए जिन्हें ये बंद कर रहे हैं। नाम बदलने से कुछ नहीं होता, केजरीवाल सरकार ने मोहल्ला बसें चलाई थी, उसी का नाम बदल दिया। पानी के टैंकर में जीपीएस की सुविधा पहले से है। इस सरकार ने कुछ नहीं किया।

बंगाल को पीएम मोदी की चुनौती स्वीकार : ममता

» सीएम बोलीं- चुनाव में उतरें, हम तैयार हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए मुर्शिदाबाद और मालदा में हुई हिंसा को उनकी सरकार की क्रूरता और उदासीनता का प्रतीक बताया। मोदी ने अपने हमले के लिए निर्ममता शब्द का इस्तेमाल किया और टीएमसी पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहने और नागरिकों की दुर्दशा को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। हालांकि, अब मोदी के बयान पर ममता बनर्जी ने पलटवार किया है। ममता ने कहा कि मोदी ने जो कहा, उसे सुनकर हम न केवल स्तब्ध हैं, बल्कि बहुत दुखी भी हैं, जब विपक्ष देश का प्रतिनिधित्व कर रहा है। उनकी मौजूदगी में उनके मंत्री ने कहा कि वे ऑपरेशन सिंदूर की तरह ऑपरेशन बंगाल भी करेंगे।

मैं उन्हें चुनौती देती हूं- अगर हिम्मत है, तो कल चुनाव में उतरें, हम तैयार हैं और बंगाल आपकी चुनौती स्वीकार करने के लिए तैयार है। लेकिन कृपया याद रखें, समय एक कारक है। आपको समय याद रखना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे प्रतिनिधि अभिषेक बनर्जी भी टीम में हैं। और वो हर दिन आतंकवाद के खिलाफ, आतंक के खिलाफ बोल रहे हैं। उस समय, मोदी, प्रधानमंत्री के रूप में नहीं बल्कि भाजपा अध्यक्ष के रूप में, आप (बंगाल में) सरकार की आलोचना कर रहे हैं जो आपको पूरा समर्थन दे रही है, देश की रक्षा कर रही है। आप सरकार पर आरोप लगा रहे हैं और आप इस समय विपक्ष पर आरोप लगाना चाहते हैं, ताकि राजनीति हो सके, ठीक वैसे ही जैसे भाजपा जुमला पार्टी के नेता कर रहे हैं। आप झूठ का पुलिंदा बोल रहे हैं। वे देश को लूटकर भाग जाते हैं। इस तरह से बात करना अच्छा नहीं लगता।

भाजपा असम को अराजकता की ओर बढ़ा रही: गोगोई

» हथियार लाइसेंस देने का असम सरकार के फैसले को बताया गलत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। असम कांग्रेस प्रमुख गौरव गोगोई ने राज्य सरकार द्वारा स्थानीय लोगों को हथियार लाइसेंस देने के फैसले की निंदा करते हुए कहा कि यह शासन नहीं बल्कि 'अराजकता और जंगल राज' की ओर एक 'खतरनाक कदम' है। गोगोई ने कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को तुरंत इस फैसले को वापस लेना चाहिए और जिम्मेदार नेतृत्व के माध्यम से जनता का विश्वास बहाल करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा था कि असम सरकार 'संवेदनशील और दूरदराज' के क्षेत्रों में रहने वाले मूल निवासियों को सुरक्षा की भावना पैदा करने के लिए हथियार लाइसेंस देगी।

गोगोई ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'मैं राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों में नागरिकों को हथियार वितरित करने के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के फैसले की कड़ी निंदा करता हूं।'उन्होंने आरोप लगाया, 'पुलिस और सीमा पर बलों को मजबूत करने के बजाय, सरकार भाजपा-आरएसएस समर्थकों और स्थानीय आपराधिक गिरोहों के बीच हथियार बांटने पर आमादा है। इससे व्यक्तिगत प्रतिशोध के आधार परहिंसा और अपराध को बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय व्यापारियों को परेशान किया जाना तय है।

कश्मीर इंसाफ चाहता है : उमर अब्दुल्ला

» सीएम बोले- पहलगाम हमला राज्य के दर्जे की बहाली पर असर नहीं डालेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुलमर्ग। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले से जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाली के मुद्दे पर कोई फर्क नहीं पड़ा है। उन्होंने हाल ही में नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में भी इस मुद्दे को उठाया था। आप नीति आयोग की बैठक में प्रसारित औपचारिक भाषण को हटा दें, तो उसमें राज्य का दर्जा वापस करने का स्पष्ट उल्लेख मिलेगा, जो माननीय प्रधानमंत्री और गवर्निंग काउंसिल के सभी सदस्यों को दिया गया था।सीएम ने बुधवार को गुलमर्ग में प्रशासनिक बैठक की।

वह पर्यटन कारोबारियों से भी मिले। यहां उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि राज्य के दर्जे को लेकर बातचीत रुकी नहीं है। मैं विधानसभा के विशेष सत्र का उपयोग राज्य के दर्जे के बारे में बात करने के लिए नहीं करना चाहता था। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि बातचीत बंद हो गई है। बातचीत जारी है। पर्यटन के पुनरुद्धार पर मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के अन्य हिस्सों से लोगों के आने की उम्मीद करने से पहले कश्मीरियों को घाटी में पर्यटन स्थलों का दौरा करना चाहिए। इन स्थानों पर प्रचार और जीवंत गतिविधि होनी चाहिए। मैंने शिक्षा मंत्री से स्कूलों और कॉलेजों के लिए पिकनिक शुरू करने को कहा है ताकि हम सामान्य स्थिति की ओर वापस लौट सकें। सीएम ने कहा, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था निर्वाचित सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। यह किसकी जिम्मेदारी है, उपराज्यपाल की। स्थानीय सरकार पर्यटन के बुनियादी ढांचे का निर्माण कर सकती है, लेकिन सुरक्षा एलजी के अधिकार क्षेत्र में है, इसलिए परस्पर सहयोग जरूरी है। यहां तीन तरह के सत्ता के केंद्र हैं। सभी में समन्वय जरूरी है, ताकि यहां चीजें सुचारू रूप से चलें।

कश्मीरियों को आतंकी हमले के लिए दोषी ठहराना गलत

हमले के लिए कश्मीरी दोषी नहीं एक सवाल के जवाब में सीएम ने कहा कि आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत के लिए कश्मीरियों को जिम्मेदार नहीं ठहराना चाहिए। कश्मीर के लोगों ने यह हमला नहीं किया। यह हमारी अनुमति या हमारे लाभ के लिए नहीं किया गया।फिर भी आप कश्मीर के लोगों को दंडित करते हैं, उनका बहिष्कार करते हैं, तो हम क्या करेंगे। इसलिए मैं चाहता हूं कि केंद्र इसे नजरअंदाज न करे, उसे जांच एजेंसियों का इस्तेमाल करके इस अभियान की जांच करनी चाहिए और इसे रोकना चाहिए।

चौथी बार फाइनल में पहुंची आरसीबी

» पंजाब किंग्स को 60 गेंदें शेष रहते हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुल्लांपुर। गेंदबाजों के बाद फिल सॉल्ट के अर्धशतक की मदद से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने क्वालिफायर-1 मुकाबले में पंजाब किंग्स को हराकर आईपीएल 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। आरसीबी ने इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया और पंजाब की टीम को 14.1 ओवर में महज 101 रन पर ऑलआउट कर दिया। जवाब में आरसीबी ने 10 ओवर में दो विकेट पर 106 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया।

आरसीबी की टीम अब अपना पहला खिताब जीतने से एक कदम दूर है। पंजाब की टीम के पास हार के बावजूद खिताबी मुकाबले में प्रवेश करने के लिए एक मौका है। ग्रुप चरण में शीर्ष पर रहने के कारण पंजाब को एक अतिरिक्त मौका मिलेगा। पंजाब का सामना क्वालिफायर-2 में रविवार को गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच शुक्रवार को होने वाले एलिमिनेटर की विजेता टीम से होगा। अगर पंजाब वो मुकाबला जीतने में सफल रही तो फाइनल में पहुंच जाएगी जहां उसका सामना तीन जून को अहमदाबाद में आरसीबी से होगा। आरसीबी ने इसके साथ ही आईपीएल के फाइनल में पहुंचने का अपना नौ साल का सूखा समाप्त कर दिया है। आरसीबी आखिरी बार 2016 में खिताबी मुकाबले में पहुंची थी और तब से वह खिताबी मुकाबले में प्रवेश करने के लिए संघर्ष कर रही थी। आरसीबी ने 2009, 2011, 2016 में भी फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन तब टीम को हार का सामना करना पड़ा था।

प्लेऑफ में सबसे कम ओवर बल्लेबाजी करने वाली टीम बनी पंजाब

मुल्लांपुर। पंजाब किंग्स की टीम आरसीबी के खिलाफ आईपीएल 2025 के क्वालिफायर-1 मुकाबले में 101 रन पर ऑलआउट हो गई। पंजाब की बल्लेबाजी इस कदर खराब रही कि टीम पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल सकी। पंजाब ने इसके साथ ही एक अनचाहा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। पंजाब की टीम 14.1 ओवर में 101 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। उसके लिए मार्कस स्टोइनिस ने सर्वाधिक 26 रन बनाए। पंजाब की टीम इसके साथ ही आईपीएल प्लेऑफ में सबसे कम ओवर तक बल्लेबाजी करने वाली टीम बन गई है। उसने दिल्ली डेयरडेविल्स के 2008 में बनाए इस अनचाहे रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। उस वक्त दिल्ली की टीम राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 16.1 ओवर तक ही बल्लेबाजी कर सकी थी।

आतंकवादियों व प्रतिनिधिमंडल की तुलना वाले बयान पर घमासान

शिवसेना यूबीटी समेत कई दलों ने ऑपरेशन सिंदूर पर सियासी लाभ लेने के लिए भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर और विदेशों में भेजे गए भारतीय प्रतिनिधिमंडल को लेकर सियासत रूक नहीं रही है। विपक्ष जहां भाजपा पर उसका राजनीतिकरण कर उसका चुनावी लाभ लेने का आरोप लगा रही है वहीं भाजपा विपक्ष को पाक का साथ देने का दावा कर रही है। उधर कांग्रेस नेता जयराम की टिप्पणी के बाद, भाजपा ने बिना समय गंवाए तीखी आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने सबसे घृणित तुलना की है।

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि पहलगाम आतंकी हमले के पीछे के आतंकवादी चार अन्य हमलों में शामिल थे और आज खुलेआम घूम रहे हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पहलगाम हमले के पीछे के आतंकवादियों और वैश्विक मंच पर भारत के आतंकवाद विरोधी संदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल सांसदों के बीच तुलना करके विवाद खड़ा कर दिया। कांग्रेस नेता की टिप्पणी के बाद, भाजपा ने बिना समय गंवाए तीखी आलोचना करते हुए कहा कि जयराम रमेश ने सबसे घृणित तुलना की है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि पहलगाम आतंकी हमले के पीछे के आतंकवादी चार अन्य हमलों में शामिल थे और आज खुलेआम घूम रहे हैं। इसके बाद उन्होंने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के लिए चुने गए सांसदों की तुलना आतंकवादियों से करते हुए कहा कि हमारे सांसद और आतंकवादी दोनों ही खुलेआम घूम रहे हैं। जयराम रमेश ने एएनआई से कहा कि सुनने में आ रहा है कि 25 और 26 जून को विशेष सत्र बुलाया जा सकता है क्योंकि यह आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ है। हमारे देश में 2014 से अघोषित आपातकाल लागू है। वह 50 साल पहले जो हुआ उसके लिए विशेष सत्र बुलाना चाहते हैं? आज के सवालों से ध्यान हटाने के लिए वे इस बारे में बात कर रहे हैं। हम आरएसएस की भूमिका को भी उजागर करेंगे, हम हकीकत को पूरे देश के सामने रखेंगे। उन्होंने कहा कि पहलगाम के ये आतंकवादी चार हमलों में शामिल थे और फिर भी वे इधर-उधर घूम रहे हैं। हमारे सांसद घूम रहे हैं और आतंकवादी भी घूम रहे हैं। हम ये सवाल गंभीरता से पूछ रहे हैं।

भाजपा व कांग्रेस आमने-सामने आईं

जो मिसाइलें दागी जा रही हैं, वे कांग्रेस पार्टी के खिलाफ दागी जा रही हैं : जयराम रमेश

कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि वे इन सवालों का जवाब नहीं देते हैं। भाजपा केवल कांग्रेस पार्टी को निशाना बनाती है। उनका हमला कांग्रेस पार्टी पर है, आतंकवादियों पर होना चाहिए। पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। आतंकवादियों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। हर दिन जो मिसाइलें दागी जा रही हैं, वे कांग्रेस पार्टी के खिलाफ दागी जा रही हैं। आतंकवादियों और विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसदों के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल के बीच घृणित तुलना करने के लिए कांग्रेस पर हमला करते हुए, भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, इस तरह से कांग्रेस न केवल हमारे सैन्य हमले (ऑपरेशन सिंदूर) को चुट पुट कहकर बल्कि हमारे कूटनीतिक हमले को भी कमतर आंक रही है। उन्होंने आगे सवाल किया, क्या संसद को उन पर कार्रवाई नहीं करनी चाहिए?

संसद का विशेष सत्र बुलाए सरकार

इससे पहले, वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने के पार्टी के रुख को दोहराया था। उन्होंने कहा कि हमने मांग की थी कि एक सर्वदलीय बैठक होनी चाहिए और प्रधानमंत्री इसकी अध्यक्षता करें। दो बैठकें हो चुकी हैं। यह एक औपचारिकता थी। रक्षा मंत्री ने इसकी अध्यक्षता की। इससे कुछ नहीं निकला, कोई चर्चा नहीं हुई। हमने जो सवाल पूछे, वे रचनात्मक, गंभीर और संवेदनशील तरीके से पूछे गए थे, लेकिन उस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। माहौल एकता और सामंजस्य का था। 10 मई को खड़गे जी और राहुल जी दोनों ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर लोकसभा और राज्यसभा का विशेष सत्र बुलाने के लिए कहा।

संसद की विशेषाधिकार समिति संज्ञान लेकर कार्रवाई करे : शहजाद पूनावाला

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि यह सबसे शर्मनाक, निंदनीय और बेबुनियाद बयान है। संसद की विशेषाधिकार समिति को तुरंत इसका संज्ञान लेकर कार्रवाई करनी चाहिए। हमारे सांसद पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए साझेदार देशों का दौरा कर रहे हैं और जयराम रमेश ने उनकी तुलना आतंकवादियों से की है। यह वही पार्टी है जिसने सेना प्रमुख को गुंडा कहा था ये वही लोग हैं जिन्होंने बालाकोट हवाई हमलों का सबूत मांगा था। उन्होंने बार-बार सेना का अपमान किया है। सैन्य हमले पर सवाल उठाने के बाद अब वे कूटनीतिक हमले पर सवाल उठा रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के राजनीतिकरण करने में पीएम आगे : राउत

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर तीखा हमला करते हुए उन पर ऑपरेशन सिंदूर का राजनीतिकरण करने और भारतीय सैनिकों द्वारा किए गए सैन्य अभियान का अनुचित श्रेय लेने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की राजनीति देश के प्रधानमंत्री हर राज्य में जाकर कर रहे हैं, यह ऑपरेशन हमारे सैनिकों ने किया है लेकिन इसका श्रेय लेने की होड़ है, हमारे प्रधानमंत्री इसमें सबसे आगे हैं, कोई भी जाकर किसी को सिंदूर की पवित्र व्यवस्था नहीं दे सकता। राउत ने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए आरोप लगाया कि पहलगाम के छह आतंकवादी अभी भी फरार हैं। उन्होंने कहा कि पहलगाम के छह आतंकवादियों को इसलिए नहीं पकड़ा जा रहा है क्योंकि हो सकता है कि एक दिन आपको भाजपा कार्यालय से एक प्रेस नोट मिले कि वे छह लोग भाजपा में शामिल हो गए हैं। इस बीच, राउत ने आगे घोषणा की कि विपक्षी दल एकजुट होकर एक पत्र सौंप रहे हैं, जिस पर सभी ने हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में एक विशेष सत्र बुलाने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने कहा, विपक्ष के लोग एक बार फिर आगे आए हैं, और हम राहुल गांधी के नेतृत्व में एक विशेष सत्र के लिए सभी के हस्ताक्षर वाला एक पत्र दे रहे हैं।

जौनपुर में यात्रियों से भरी बस पलटी, पांच की मौत

15 घायल पांच की हालत गंभीर सीएम ने जताया शोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जौनपुर। जौनपुर के बक्शा थाना क्षेत्र के शिवगुलामगंज हाईवे पर हिम्मत बस सर्विस की प्राइवेट बस जौनपुर जा रही थी। डिवाइडर से टकराकर अनियंत्रित होकर बस पलटने से पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं, 15 लोग घायल हो गए। घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

जानकरी के अनुसार, हादसा सुबह 8.40 बजे हुआ। बस जौनपुर शहर की तरफ जा रही थी। अपनी लेन से दूसरी पटरी पर जाते समय हादसा हुआ। सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह ने थाने की पुलिस और गांव वालों की मदद से घायलों को निकालकर अस्पताल भिजवाया। हादसे में पांच यात्रियों, जिसमें दो पुरुष और तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 15 यात्री घायल हुए हैं, वहीं पांच की हालत गंभीर है। सूचना पर पुलिस अधीक्षक जौनपुर डॉ. कौस्तुभ कुमार, एडिशनल एसपी ग्रामीण तपिश कुमार सिंह, सीओ सदर परमानंद कुशवाहा मौके पर पहुंचकर जानकारी ली। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया गया। बस में 45 यात्री सवार थे। पांच की हालत गंभीर होने पर जिला चिकित्सालय भेजा गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी जौनपुर में हुए सड़क हादसे का संज्ञान लिया है। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। साथ ही, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है।

लखनऊ जलकल विभाग को मिला बड़ा सम्मान

अंतरराष्ट्रीय स्तर के आईएसओ सर्टिफिकेट मिले, लोगों को मिलेगा और बेहतर पानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के लोगों के लिए एक अच्छी खबर आई है। नगर निगम के जलकल विभाग को उनके पानी साफ करने वाले दो बड़े प्लांट्स के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के आईएसओ सर्टिफिकेट मिले हैं। ये सर्टिफिकेट यह दिखाते हैं कि अब शहर के लोग और भी अच्छी गुणवत्ता का पानी पी पाएंगे, वो भी पूरी सफाई और सुरक्षा के साथ।

आईएसओ यानी इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर स्टैंडर्डाइजेशन। यह एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है जो बताती है कि किसी चीज का काम करने का तरीका कितना अच्छा, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल है। जब किसी संस्था को आईएसओ का सर्टिफिकेट मिलता है, तो इसका मतलब होता है कि वह संस्था दुनिया के तय किए गए अच्छे मानकों पर काम कर रही है।

आईएसओ सर्टिफिकेट सिर्फ एक कागज का टुकड़ा नहीं : मेयर

महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल ने कहा कि आईएसओ सर्टिफिकेट सिर्फ एक कागज़ का टुकड़ा नहीं है, बल्कि यह दिखाता है कि लखनऊ जैसे बड़े शहर में भी अब गुणवत्ता, पर्यावरण और सुरक्षा को ध्यान में रखकर काम किया जा रहा है। इससे आने वाले समय में लखनऊ के लोग और ज्यादा साफ, सुरक्षित और भरोसेमंद पानी का इस्तेमाल कर सकेंगे। यही सरकार की प्राथमिकता भी है।

सर्टिफिकेट मिलना गर्व की बात : कुलदीप सिंह

जलकल विभाग के जीएम कुलदीप सिंह ने बताया कि ये सर्टिफिकेट मिलना उनके लिए गर्व की बात है। इसका मतलब है कि उनका काम अंतरराष्ट्रीय स्तर का माना गया है। वे आगे भी इसी तरह से काम करते रहेंगे ताकि शहर के लोगों को सबसे अच्छा पानी मिल सके।

ऐशबाग और कठौता के प्लांट्स को तीन-तीन सर्टिफिकेट

लखनऊ में दो बड़े पानी साफ करने वाले प्लांट है – एक ऐशबाग में और दूसरा कठौता में। ऐशबाग का प्लांट रोज़ करीब 200 एमएलडी (मिलियन लीटर प्रतिदिन) पानी साफ करता है, और कठौता का प्लांट रोज़ 80 एमएलडी पानी साफ करता है। क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम- यह बताता है कि यहां जो भी काम होता है, वह पूरी गुणवत्ता और ध्यान से किया जाता है। यानी जो पानी लोगों को मिलता है, वह साफ और पीने के लायक होता है। एनवायरमेंटल मैनेजमेंट सिस्टम-इसका मतलब है कि पानी साफ करने की प्रक्रिया में पर्यावरण का ध्यान रखा जाता है। यानी न तो ज्यादा कचरा फैलाया जाता है और न ही पानी या हवा को गंदा किया जाता है। हेल्थ एंड सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम-इस सर्टिफिकेट से साबित होता है कि जो कर्मचारी इन प्लांट्स में काम करते हैं, उनकी सुरक्षा और सेहत का पूरा ख्याल रखा जाता है।

यूपी में योगी पुलिस का डर खत्म!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। यूपी के योगी सरकार ने दावे किए थे कि राज्य अपराधियों से मुक्त हो गया है। कुख्यात थर्र-थर्र कांप कर प्रदेश से भाग रहे हैं। पर इन दावों के उलट राजधानी से लेकर नोएडा तक ताबड़तोड़ अपराधियों के हौसले बुलंद हो रहे हैं।

अपराधी इतने मनचले हो गए हैं कि वह पुलिस चौकियों के करीब बड़े-बड़े वारदात को अंजाम देकर फरार हो जा रहे पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी रह जाती है। प्रदेश में बढ़त अपराध को लेकर सपा व कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों भाजपा सरकार को घेरा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि जीरो टॉलरेंस की बात करने वाली सरकार खुद जीरों हो गई हैं। गोविंदनगर थाने के पड़ोस में नशीला पदार्थ देकर ताइक्वांडो खिलाड़ी से सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने डीसीपी दक्षिण से न्याय की गुहार लगाई है। डीसीपी ने इंस्पेक्टर को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

पंजाब में पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, चार मजदूरों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुक्तसर (पंजाब)। मुक्तसर के लंबी हलके के निकटवर्ती गांव सिंघेवाला-फतूहीवाला के खेतों में स्थित एक पटाखा फैक्टरी में शुक्रवार की भोर में भयंकर विस्फोट हो गया। इसमें चार लोगों की मौत हो गई।

जबकि करीब 27 मजदूरों के गंभीर रूप से घायल होने की प्रारंभिक रिपोर्ट आ रही है। घायलों को बठिंडा एम्स रेफर कर दिया गया है। बताते हैं कि इस विस्फोट में फैक्टरी की दो मंजिलें पल भर में मलबे में बदल गई। बताया जाता है कि फैक्टरी में पटाखे बनाने का काम उत्तर प्रदेश के हाथरस निवासी ठेकेदार राज कुमार के अधीन होता था। ठेकेदार घटना के बाद से फरार है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।